



Hargharpanditji

॥ श्री ब्रह्मा जी पूजा विधि ॥

जय जय कमलासन स्वामी

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री ब्रह्मा द्वादश नाम स्तोत्र ॥

पूजा का शुभ समय

गुरुवार का दिन ब्रह्मा जी की पूजा के लिए शुभ माना जाता है।
प्रातःकाल स्नान करके स्वच्छ पीले या सफेद वस्त्र धारण करें।

आवश्यक पूजा सामग्री
भगवान ब्रह्मा जी की मूर्ति या चित्र
पीला या सफेद पुष्प
चन्दन
अक्षत (चावल)
धूप, दीप
नैवेद्य (फल, मिठाई)
जल से भरा कलश
तुलसी रहित प्रसाद
कपूर और आरती थाली

पूजा विधि

१. संकल्प लें

पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठें और हाथ में जल लेकर
संकल्प करें —

“मैं श्रद्धा और भक्ति से भगवान ब्रह्मा जी की पूजा कर रहा/रही हूँ।
कृपया मेरी मनोकामनाएँ पूर्ण करें।”

२. ध्यान करें

भगवान ब्रह्मा जी का ध्यान करें —
चतुर्मुखं कमलासनं हंसवाहनसंस्थितम् ।
कमण्डलुधरं देवं ब्रह्माणं प्रणमाम्यहम् ॥

३. आवाहन

“ॐ ब्रह्मणे नमः” मंत्र बोलकर ब्रह्मा जी का आवाहन करें।

४. पूजन

चन्दन अर्पित करें
अक्षत चढ़ाएँ
पुष्प अर्पित करें
धूप और दीप दिखाएँ
फल एवं मिठाई का भोग लगाएँ

प्रमुख मंत्र

ब्रह्मा मूल मंत्र
ॐ ब्रह्मणे नमः ॥
ब्रह्मा गायत्री मंत्र
ॐ चतुरमुखाय विद्महे
हंसारूढाय धीमहि ।
तन्नो ब्रह्मा प्रचोदयात् ॥
कम से कम १०८ बार मंत्र जाप करें।

आरती करें

पूजा के अंत में ब्रह्मा जी की आरती करें और सभी को प्रसाद बाँटें।

पूजा का महत्व

ज्ञान और बुद्धि की प्राप्ति
शिक्षा में सफलता
मानसिक शान्ति
घर में सुख और समृद्धि
आध्यात्मिक उन्नति

॥ श्री ब्रह्मार्पणमस्तु ॥

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"